UTSAV FOUNDATION

HINDI CURRICULUM 2025- 2026

Level :- KG-SR

Marks: 80

तर्कसंगत-:

भाषा के ज्ञान के बिना समाज में गतिशीलता संभव नहीं है। समाज और देश के विकास के लिए यह गतिशीलता अनिवार्य है अतः भाषा का ज्ञान भी अनिवार्य है । हमारे देश में ज्ञान की पुष्टि से जनसंख्या के अनेक स्तर है। इसलिए भाषा जान के भी अनेक स्तर है। एक बड़ा समूह ऐसा है जो अनुभवी तो बहुत है. लेकिन वहां आषा व्यापार में उतना सक्षम नहीं है। यदि ऐसे लोग आषा जान के क्षेत्र में कुशल हो जाए तो, अपने अमृत अनुभव को भाषा से जोड़कर अपनी चितन क्षमता का विकास कर पाएंगे, और उससे व्यवहार में लाकर देश के विकास में सहायक होंगे। सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना भाषा के महत्वपूर्ण कौशल है। दशकों के संदर्भ में पढ़ने लिखने पर कुछ अधिक बल दिया जाता है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने ऐसी पाठ्य सामग्री को चुना है, जिसके आधार पर शिक्षार्थी सुनने और बोलने का कौशल तो विकसित करेगी ही इनमें अधिक पढ़ने और लिखने में कुशल होंगे।

लक्ष्यः शुरुआत में एक शिक्षक अपने बच्चों को हिंदी सिखाने के लिए आषा की सबसे छोटी का इकाई वर्ण और ध्वनि से शुरु करता है। इसके आधार पर ही इसके आधार पर ही एक शिक्षक अपने बच्चों बच्चों में सुनने बोलने पढ़ने लिखने की कौशल ता को विकसित कर सकता है। भाषा के सही क्रम को इस पाठ्यक्रम / CURRICULUM में स्थान दिया गया है। अन्य कक्षाओं के तहत नए शब्दों से परिचित होकर उनके अर्थ जानना विचारों की गहराई को समझना व्यवहारिक व्याकरण भाषा का सही प्रयोग को भी इस पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है।

पूर्व अपेक्षाएं :

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश से पूर्व शिक्षार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने आसपास की आम बोलचाल की हिंदी को बोलता और समझता हो। बोलचाल में आने वाले हिंदी शब्द और सरल वाक्य को लिख पाता हूं। समाचार चर्चा और आदि सुनकर समझ पाता हो। पूर्व कक्षा में बच्चों ने वर्णमाला और मात्राओं को पढ़ा हो।

* सीखने के परिणाम / Learning Outcomes-:

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद शिक्षार्थियों में निम्नलिखित दक्षता एं विकसित हो सकेंगी |
- सुनी हुई बात को समझ कर उसे अपनी भाषा में व्यक्त कर सकेंगे।
- सही उच्चारण करते हुए अपनी बात कह सकेंगे।
- सरल कविताओं कहानियों को ध्यान से सुन सकेंगे तथा सुनील कहानियों एवं मनोरंजक किस उसे अपने अनुभव को जोड़कर उसे अपने अंदाज में सुना सकेंगे।
- सुनी हुई सुनी हुई बात से संबंधित प्रश्न पूछ सकेंगे कहानी कविता को आरोह अवरोह के साथ सो ना सकेंगे।
- सड़कों पर लिखे संकेत हेडिंग सूचना पट्टों को पढ़कर समझ सकेंगे।
- छोटे-छोटे वाक्यों को एक दूसरे से जोड़कर पढ़ सकेंगे।
- लिखते समय वर्णन शब्दों के बीच उचित दूरी का ध्यान रखेंगे वर्णों और मात्राओं की पहचान और प्रयोग कर सकेंगे।
- नजदीकी परिवेश को देखकर या उसके बारे में सुनकर छोटे छोटे छोटे वाक्य में अपनी प्रतिक्रिया लिख सकेंगे।
- मौखिक और लिखित विषय वस्तु के मुख्य भाव को समझने का प्रयास कर सकेंगे।
- पाठ को पढ़ने या सुनने के बाद पाठ में आई घटनाओं का स्मरण उससे संबंधित जिज्ञासा और संवेदनात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास कर सकेंगे।

व्याकरण :

- संज्ञा
- क्रिया
- लिंग
- वचन
- अपठित गद्यांश
- पर्यायवाची शब्द
- विलोम शब्द
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

पाठ विवरणः

- स्वर
- वर्णमाला
- मात्राएं
- फलों के नाम
- दिनों के नाम
- महीनों के नाम
- शिष्टाचार
- अच्छी आदतें
- आकार
- क्रिया
- फलों के नाम
- सब्जियों के नाम
- रंगों के नाम

SR.NO.	*Lesson*	*Study Time*	*Marks 80*
1.	• *स्वर* • लिंग	*10hours*	10
2.	• *अ से ज्ञ तक वर्णमाला* • *फलों के नाम* • सर्वनाम	*30hours*	20
3.	• *शिष्टाचार* • *आकार* • *क्रिया*	*20hours*	10
4.	• रंगों के नाम • वचन • पर्यायवाची शब्द	*10hours*	10
5.	• कहानियां • सब्जियों के नाम • विशेषण	*20hours*	10
6.	• *दिनों के नाम* • अपठित गद्यांश • विलोम	*20hours*	10
7.	• *महीनों के नाम* • संज्ञा • अनेक शब्दों के लिए एक शब्द • मात्राएँ	*20 hours*	10
	Total hours	*130*	80

सीखने के मुख्य परिणाम (Key Outcomes of Learning)

स्वर वे ध्वनियाँ होती हैं जो बिना किसी अन्य वर्ण की सहायता के उच्चारित की जा सकती हैं। हिंदी में कुल **11 स्वर** होते हैं:
🔹 **अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ**

---

3. लिंग (Gender in Hindi)

हिंदी में दो प्रकार के लिंग होते हैं:

1. **पुल्लिंग (Masculine Gender)** – जैसे: लड़का, पेड़, सूरज
2. **स्त्रीलिंग (Feminine Gender)** – जैसे: लड़की, नदी, चिड़िया

---

4. अ से ज्ञ तक वर्णमाला

हिंदी वर्णमाला में **स्वर और व्यंजन** होते हैं:
✓ **स्वर (11)** – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ
✓ **व्यंजन (33)** – क से ज्ञ तक होते हैं:

क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व श
ष स ह क्ष त्र

---

5. फलों के नाम (Names of Fruits)

🍎 **सेब,** 🍌 **केला,** 🍊 **संतरा,** 🍇 **अंगूर,** 🍍 **अनानास,** 🍉 **तरबूज**

---

6. सर्वनाम (Pronouns in Hindi)

सर्वनाम वे शब्द होते हैं जो संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं।
✓ **उदाहरण:** मैं, तुम, वह, हम, ये, वे

---

7. शिष्टाचार (Etiquette in Hindi)

✓ दूसरों से सम्मानपूर्वक बात करना
✓ बड़ों का आदर करना
✓ समय पर काम करना

---

8. आकार (Shapes in Hindi)

◍ गोल (Circle)
▯ वर्ग (Square)
▲ त्रिकोण (Triangle)

---

9. क्रिया (Verb in Hindi)

क्रिया वे शब्द होते हैं जो किसी कार्य के होने या करने को दर्शाते हैं।
✓ **उदाहरण:** पढ़ना, लिखना, दौड़ना

---

10. रंगों के नाम (Names of Colors in Hindi)

● लाल, □ हरा, ◍ नीला, □ पीला, ● काला, ○ सफेद

---

11. वचन (Singular and Plural in Hindi)

1. **एकवचन (Singular)** – जैसे: बच्चा, किताब
2. **बहुवचन (Plural)** – जैसे: बच्चे, किताबें

---

12. पर्यायवाची शब्द (Synonyms in Hindi)

✓ सूर्य – रवि, दिनकर, भानु
✓ जल – पानी, नीर, वारि

---

13. कहानियाँ (Stories in Hindi)

✓ पंचतंत्र की कहानियाँ – "कछुआ और खरगोश"
✓ प्रेरणादायक कहानियाँ – "सच्चाई की जीत"

---

14. सब्जियों के नाम (Names of Vegetables in Hindi)

□ गाजर, □ आलू, 🍆 बैंगन, □ खीरा

---

15. विशेषण (Adjectives in Hindi)

✓ सुंदर लड़की (Beautiful Girl)
✓ बड़ा घर (Big House)

---

16. दिनों के नाम (Days of the Week in Hindi)

✓ सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार

---

17. अपठित गद्यांश (Unseen Passage in Hindi)

एक ऐसा गद्यांश जिसे पढ़कर उत्तर देने होते हैं।

---

18. विलोम शब्द (Opposite Words in Hindi)

✓ अच्छा – बुरा
✓ दिन – रात

---

19. महीनों के नाम (Months in Hindi)

✓ जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर

---

20. संज्ञा (Noun in Hindi)

✓ व्यक्ति – राम, सीता
✓ स्थान – दिल्ली, भारत
✓ वस्तु – किताब, कुर्सी

---

21. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitution in Hindi)

✓ जो कभी नहीं मरता – अमर
✓ जो पढ़ने में रुचि रखता हो – पुस्तकप्रिय

---

22. मात्राएँ (Matras in Hindi)

✓ ह्रस्व मात्रा – इ, उ, अ
✓ दीर्घ मात्रा – ई, ऊ, आ, ए, ओ